(Pages : 3) **M – 6884**

Reg. No. : .....

Name : .....

Third Semester M.A. Degree Examination, March 2022

Hindi Language and Literature

HL 234 B – SPECIAL AUTHOR: PREMCHAND

(2015 Admission onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए :

1. किसने प्रेमचंद को 'प्रेमचंद' उपनाम से लिखने की सलाह दी?

   (मौलाना शरर, मिर्जा हादी रुस्वा, मुंशी दयानारायण निगम)

2. 'हामिद' किस कहानी का पात्र है?

   (ईदगाह, कफन, पूस की रात)

3. प्रेमचंद ने कितने नाटकों की रचना की?

   (2, 3, 4)

4. 'निर्मला' किस साल प्रकाशित हुआ?

   (1916, 1926, 1936)

5. 'चौगाने हस्ति' नामक उर्दु उपन्यास को प्रेमचंद ने हिंदी में किस नाम से लिखा?

   (रंगभूमि, कर्मभूमि, कायाकल्प)

6. दलित दृष्टि से प्रेमचंद साहित्य का मूल्यांकन करनेवाले का नाम चुनकर लिखिए:--

   (डॉ. धर्मवीर, डॉ.रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र)

7. 'स्त्रियों की आभूषण-लालसा' की समस्या को उजागर करनेवाला प्रेमचंद का उपन्यास कौन-सा है?

   (गबन, गोदान, वरदान)

gcwcentrallibrary.in

P.T.O.

8. 'समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद' किसकी रचना है?
(शिवकुमार मिश्र, महेन्द्र भटनागर, नरेन्द्र कोहली)

9. 'सत्याग्रह' किस विधा की रचना है?
(कहानी, एकांकी, निबंध)

10. निम्नलिखित में से कौन--सी पत्रिका का संपादन प्रेमचंद ने नहीं किया है?
(इंदु, हंस, माधुरी) **(10 × 1 = 10 Marks)**

II. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :-

11. प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास।
12. कहानीकार प्रेमचंद।
13. 'सदगति'
14. 'गोदान' का उद्देश्य।
15. 'ईदागह'
16. प्रेमचंद की पत्रिकाएँ
17. प्रेमचंद की रंगमंचीय दृष्टि।
18. 'गोदान' के देहाती पात्र। **(4 × 5 = 20 Marks)**

III. 300-350 शब्दों में किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए।

19. प्रेमचंद के निबंध–कला संबंधी विचारों पर पठित निबंधों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

20. 'जीवन में साहित्य का स्थान' नामक निबंध में अभिव्यक्त विचारों की चर्चा कीजिए।

21. पठित कहानियों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि प्रेमचंद की कहानियों में तत्कालीन समाज का यथार्थ चित्रण हुआ है।

22. प्रेमचंद ने 'गोदान' में कठोर यथार्थवाद का परिचय दिया है। अपना तर्क प्रस्तुत कीजिए।

23. 'गोदान' में अंकित विभिन्न समस्याओं का सविस्तार वर्णन कीजिए।

24. हिंदी कथा साहित्य में प्रेमचंद का योगदान निधारित कीजिए। **(3 × 10 = 30 Marks)**

gcwcentrallibrary.in

IV. किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या कीजिए :-

25. ''हम उस मानसिक पूँजीपति को पूजा के योग्य न समझेंगे, जो समाज के पैसे से ऊँची शिक्षा प्राप्त कर उसे शुद्ध स्वार्थ-साधन में लगाता है।''

26. प्रकृति का सौन्दर्य हमें अपने विस्तार और वैभव से पराभूत कर देता है। उससे हमें आध्यात्मिक उल्लास तो मिलता है, पर वहीं दृश्य जब मनुष्य की तूलिका और रंगों और मनोभावों से रंजित होकर हमारे सामने आता है, तो वह जैसे हमारा अपना हो जाता है। उसमें हमें आत्मीयता का संदेश मिलता है।

27. जो लोग भेदभाव में विश्वास रखते हैं, जो लोग पृथकता और कट्टरता के उपासक है, उनके लिए हमारी सभा में स्थान नहीं है।

28. शादी-ब्याह में मत खर्च करो। क्रिया--कर्म में मत खर्च करों। पूछों, गरीबों का माल बटोर-बटोर कर कहाँ रखेगे? बिटोरने में तो कमी नहीं है। हाँ खर्च में किफायत सूझती है।

29. आशा उत्साह की जननी है, आशा में तेज़ है। बल है, जीवन है। आशा ही की संचालक-शक्ति है।

30. हमें समय के साथ चलना भी है और उसे अपने साथ चलाना भी। बुरे कामों में ही सहयोग की ज़रूरत नहीं होती।

(3 × 5 = 15 Marks)

gcwcentrallibrary.in